AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीए, बीएससी, बीकॉम की वार्षिक परीक्षाएं 6 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया कार्यक्रम, दो शिफ्ट में होगी परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बीए, बीएससी, बीकॉम वार्षिक के पहले सेमेस्टर की परीक्षा 6 अप्रैल से होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर देखा जा सकता है।

बीए प्रथम वर्ष की एक्जम्पटेड व बैक पेपर की परीक्षा 6 अप्रैल से 7 मई तक सुबह 8 से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। बीए द्वितीय वर्ष की रेगुलर व एक्जम्पटेड की परीक्षा 6 अप्रैल से 11 मई तक सुबह 8 से 11 बजे तक, बीए तृतीय वर्ष की परीक्षा 6 अप्रैल से 20 मई तक आयोजित की जाएगी। बीए सेमेस्टर वन के छूटे हुए विद्यार्थियों की परीक्षा 6 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सुबह 08 से 9.30 बजे तक होगी। बीकॉम प्रथम वर्ष एक्जम्पटेड व बैक पेपर की परीक्षा 7 अप्रैल से 26 अप्रैल तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। बीकॉम द्वितीय वर्ष रेगुलर व एक्जम्पटेड की परीक्षा 7 से 26 अप्रैल तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक तथा बीकॉम तृतीय वर्ष रेगुलर व एक्जम्पटेड की परीक्षा 7 से 30 अप्रैल तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। बीकॉम पहले सेमेस्टर की परीक्षा 7 से 23 अप्रैल तक दोपहर 2 से 3.30 बजे तक होगी। बीए-बीएससी प्रथम वर्ष एक्जम्पटेड व बैक पेपर की परीक्षा 6 अप्रैल से 13 मई तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। बीए-बीएससी द्वितीय वर्ष एक्जम्पटेड व बैक पेपर की परीक्षा 6 अप्रैल से 13 मई तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक तथा बीए-बीएससी तृतीय वर्ष एक्जम्पटेड व बैक पेपर की परीक्षा 6 अप्रैल से 13 मई तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक और बीए-बीएससी पहले सेमेस्टर की परीक्षा 6 अप्रैल से 27 अप्रैल तक दोपहर 02 से 3.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

विवि नहीं वापस करेगा आवेदन शुल्क

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदक ने यदि एक बार आवेदन फॉर्म का शुल्क जमा कर दिया तो उसकी वापसी संभव नहीं होगी। इसलिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी आवेदन करने से पहले सभी शर्तों व निर्देश को जरूर पढ़ लें। यदि कोई शंका हो तो एडमिशन पेज पर दिए गए नंबरों पर संपर्क कर ले। स्व वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के संदर्भ में यदि कोई पाठ्यक्रम किसी कारण से विश्वविद्यालय नहीं चलाता है तो अभ्यर्थियों द्वारा जमा किया गया पूरा पाठ्यक्रम शुल्क वापस किया जाएगा।

लविवि : डिप्लोमा कोर्सों में भी प्रवेश परीक्षा की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीजी डिप्लोमा कोर्सों में भी प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही प्रवेश देगा। इन कोर्सों में अब तक मेरिट के आधार पर प्रवेश होता था। विश्वविद्यालय में पीजी स्तर पर लगभग दो दर्जन से अधिक डिप्लोमा कोर्स संचालित हैं, जिसमें कुछ की काफी डिमांड भी है। नए सत्र 2021-22 के लिए यूजी, पीजी, पीएचडी आवेदन शुरू होने के बाद जल्द ही इनके लिए भी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अब तक डिप्लोमा कोर्सों में स्नातक के अंकों और प्रोफीसिएंसी कोर्सों के लिए इंटर पास अभ्यर्थी आवेदन करते थे, जिनको मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलता था, लेकिन लगातार बढ़ रहे विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब डिप्लोमा कोर्सों में प्रवेश के लिए भी प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रवेश समिति की बैठक में इस पर काफी कुछ सहमति बन चुकी थी। अब इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, सर्टिफिकेट व प्रोफीसिएंशी कोर्स शामिल हैं। इनके लिए आवेदन भी ऑनलाइन ही होंगे।

270 करोड़ रुपये का बजट पास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में सोमवार को अगले वित्तीय वर्ष का 270 करोड़ रुपये बजट पास हो गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अध्यक्षता करते हुए बजट पर मुहर लगा दी। यह पिछले साल के मुकाबले 20 करोड़ अधिक है। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय से चार नए जिले जुड़ने के बाद अनुमानित आय 120 करोड़ से 180 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। बैठक में फिक्स पे वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन 8125 से बढ़ाकर 11,650 तथा तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों का वेतन 10,011 से बढ़ाकर 17,500 करने पर सहमति भी बनी। वहीं, स्व वित्तपोषित कोर्स में हेड, डायरेक्टर व प्रोफेसर इंचार्ज के मासिक मानदेय क्रमशः 2000, 40000 व 5000 किया गया, जहां पर 200 या इससे काम विद्यार्थी होंगे। कोर्स को-ऑर्डिनेटर का मासिक मानदेय 1500 करने पर सहमति बनी। वहीं, पीजी में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर का 800 रुपये प्रति लेक्चर मानदेय निर्धारित किया गया। यूजी व डिप्लोमा में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को 600 रुपये प्रति लेक्चर मानदेय निर्धारित किया गया।

दिव्यांग आवेदकों का आवेदन शुल्क करेंगे वापस

वित्त समिति ने विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षिक पद के लिए निकाले गए विज्ञापन में उन अभ्यर्थियों जिनका पद दिव्यांग वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया गया था, उनके आवेदन शुल्क जो लगभग 2,60,400 रुपये होता है, वापस करने का निर्णय लिया। इनसे ज्यादा आवेदन शुल्क ले लिया गया था। वहीं, कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन शिक्षकों की हाल ही में प्रोन्नति हुई है उनसे एक माह के अंदर विकल्प पत्र मांगने का निर्णय लिया गया।

ओपीडी के लिए 300 रुपये शुल्क

वित्त समिति ने फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में ओपीडी के संचालन में प्रति व्यक्ति 300 रुपये जीएसटी के साथ शुल्क निर्धारित किया। यह राशि फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा खोले गए बैंक अकाउंट में जाएगी। हर माह बैंक अकाउंट के पासबुक की डिटेल लेखा कार्यालय भेजी जाएगी। बता दें कि न्यू कैंपस में ओपीडी का संचालन करने की तैयारी है।

HINDUSTAN PAGE 7

विश्वविद्यालय ने आवेदन प्रकिया शुरू की, वेबसाइट पर जारी किया प्रश्न पत्र का नया पैटर्न

पीजी की प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं

लखनऊ यूनिवर्सिटी

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। दाखिले प्रवेश परीक्षा से होंगे। अभी तिथियां तय नहीं की हैं लेकिन परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप तय है। परीक्षाओं में 100 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्नों के आंसर 90 मिनट में देने होंगे। इस बार निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रश्न पत्र का पैटर्न जारी किया गया है।

एलयू के विभिन्न विभागों में पीजी कोर्स हैं। इनमें दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। विवि प्रशासन के मुताबिक एलएलबी (तीन वर्षीय) पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा होगी।

इसमें इंडियन पोलिटी : स्ट्रक्चर एंड फंक्शंस, जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल एप्टीट्यूड और मेंटल एबिलिटी से प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें भी प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।

100 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्नों के उत्तर देने होंगे इस बार | 90 मिनट का समय होगा इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए

एमवीए के लिए तीन भाग में प्रवेश परीक्षा होगी

एमवीए में 100 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। दो घंटे तय होंगे। लिखित परीक्षा भी दो भाग में होगी। पहले भाग में 100 शार्ट प्रश्न और दूसरे भाग में लघु उत्तरीय आंसर पूछे जाएंगे। यह पेपर 100 अंकों का होगा। तीसरे भाग में साक्षात्कार होगा।

इन विषयों में कॉमन एंट्रेंस से होगा दाखिला

एमएससी इन केमिस्ट्री एंड फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, एमएससी इन बाटनी, प्लांट साइंस एंड माइक्रोबायोलाजी, एमएससी इन फिजिक्स और रेनेबल एनर्जी, एमए इन एमआइएच, एमए इन कम्पोजिट हिस्ट्री और एमए इन वेस्टर्न हिस्ट्री, एमएससी इन एंथ्रोपोलोजी एंड एमए इन एंथ्रोपोलोजी, एमएससी इन फॉरेंसिक साइंस एंड एमए इन फॉरेंसिक साइंस, एमएससी इन मैथमैटिक्स एंड एमए इन मैथमेटिक्स, एमएससी इन साख्यिकी एंड एमए इन साख्यिकी, एमएससी इन बायोस्टेटिस्टिक्स एंड एमए इन बायोस्टेटिस्टिक्स।

एप्टीट्यूड और मेंटल एबिलिटी से प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। जानकारी के अनुसार इसमें भी निगेटिव मार्किंग नहीं की जाएगी।

व्यवस्था में बदलाव

पीजी डिप्लोमा में अब प्रवेश परीक्षा देनी होगी

एलयू ने पीजी डिप्लोमा कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया में बदलाव किया है। डिप्लोमा कोर्सों में भी प्रवेश परीक्षा से दाखिले होंगे। अभी तक स्नातक के अंकों के आधार पर मेरिट तैयार कर प्रवेश प्रक्रिया होती थी। निर्णय के बाद अब एडमिशन सेल इसके लिए आवेदन फार्म जारी करने की तैयारी में है। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इस संबंध में जल्द ही डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा अपनी टीम से बात करेंगे। पीजी में करीब 30 डिप्लोमा कोर्स संचालित हैं। शिक्षकों के मुताबिक शैक्षिक सत्र 2020 तक इनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश होते थे। पीजी डिप्लोमा के लिए स्नातक के अंकों और प्रोफिशिएंसी के लिए इंटर उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होते हैं। इस बार प्रक्रिया बदली है। यूजी और पीजी के साथ प्रवेश परीक्षा से ही डिप्लोमा में भी दाखिले होंगे।

ये हैं डिप्लोमा कोर्स:
प्रोफिशिएंसी, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा : अरेबिक, फ्रेंच, जर्मन, रशियन, चाइनीज, मार्डन अरेबिक, मॉडर्न पर्शियन, पाली, संस्कृत, प्राकृत भाषा, सुग्रम हिन्दी, उर्दू।

एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा
पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन, नेचुरोपैथी साइंस एंड योग, सोशल स्टडीज एंड ह्यूमन राइट्स

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि : 270 करोड़ के बजट पर लगी मुहर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 270 करोड़ के बजट पर मुहर लगा दी गई। पिछले साल की अपेक्षा इसमें 20 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, चार नए जिले जुड़ने के बाद अब विश्वविद्यालय की अनुमानित आय भी 120 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 180 करोड़ रुपये तक हो जाएगी। तय आय वाले चतुर्थश्रेणी और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने से लेकर सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के हेड, डायरेक्टर, प्रोफेसर ईचार्ज आदि का मानदेय भी तय कर दिया गया है।

अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को अब 8,125 रुपये प्रति माह की जगह अब 11,650 रुपये और तृतीय श्रेणी कर्मचारी को 10,011 रुपये प्रति माह की जगह अब 17,500 रुपये दिए जाएंगे। शैक्षिक पद के लिए ऐसे अभ्यर्थी जिनका पद दिव्यांग वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया गया, उनके 2,60,400 रुपये का आवेदन शुल्क वापस किया जाएगा।

करियर एडवांसमेंट स्कीम में प्रमोशन वालों से मांगे विकल्प: करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन शिक्षकों की प्रोन्नति हुई है, उनसे एक माह के भीतर विकल्प पत्र मांगने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है। इसके अलावा फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में ओपीडी के संचालन में प्रति व्यक्ति 300 रुपये और जीएसटी तय किया गया है। वह राशि फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा खोले गए बैंक अकाउंट में जाएगी। प्रति माह बैंक अकाउंट के पासबुक की डिटेल लेखा कार्यालय भेजी जाएगी।

इन प्रस्तावों को मंजूरी
- जिन सेल्फ फाइनेंस कोर्स में 200 या इससे कम विद्यार्थी होंगे, वहां हेड, डायरेक्टर और प्रोफेसर इंचार्ज के मासिक मानदेय क्रमशः 2000, 40,000 और 5000 किया गया।
- कोर्स कोऑर्डिनेटर का मासिक मानदेय : 1500 रुपये
- पीजी कक्षाओं में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 800 रुपये
- यूजी, डिप्लोमा में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 600 रुपये
- संगोष्ठी आदि में किसी रिसोर्स पर्सन के लिए ज्यादा से ज्यादा मानदेय : 2500 रुपये
- सर्टिफिकेट कोर्स में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 400 रुपये
- पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए 1,000 रुपये, मौखिकी के लिए 900 रुपये
- डीलिट के लिए मूल्यांकन के लिए 1,400 रुपये, मौखिकी के लिए 1,000 रुपये

पेपर सेटिंग के लिए मानदेय तय
- पीएचडी कोर्स वर्क में पेपर सेटिंग के लिए मानदेय स्नातकोत्तर के समकक्ष रखा गया
- द्विभाषीय बहुविकल्पीय के लिए 50 रुपये प्रति प्रश्न
- एकलभाषय बहुविकल्पीय के लिए 40 रुपये प्रति प्रश्न
- बहुविकल्पीय प्रश्नो की कुंजी के लिए 200 रुपये
- मास्टेटर के लिए प्रति सेमेस्टर 1,500 रुपये प्रति सदस्य
- प्रायोगिक परीक्षाओं में निरीक्षकों के लिए मानदेय : 120 रुपये प्रति पाली
- वाह्य परीक्षक के लिए पीजी में 25 रुपये, यूजी में 16 रुपये निर्धारित
- उड़ाका दल के लिए मानदेय प्रति पाली : 120 रुपये

PIONEER PAGE 3 & 4

सावधानी से भरें एलयू में आवेदन, वापस नहीं होगा शुल्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में चल रही दाखिले की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में छात्र सावधानी से आवेदन करें, अन्यथा आवेदन के एवज में जमा शुल्क वापस नहीं होगा। वहीं सेल्फ फाइनेंस के अन्तर्गत आने वाले कोर्सों में दाखिला होने के बाद यदि किसी कारण से कोर्स नहीं चलता है तो छात्रों का पूरा कोर्स शुल्क वापस कर दिया जायेगा।

लविवि: तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों का वेतन बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में फिक्स वेतनमान पर काम करने वाले तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के वेतनमान बढ़ाने को विवि की वित्त समिति ने मंजूरी दे दी है। जबकि परास्नातक स्तर पर गेस्ट फैकल्टी के तहत क्लास लेने वाले एक्सपर्ट को 800 रुपये प्रति लेक्चर की दर से भुगतान किया जायेगा। इस बावत सोमवार को सम्पन्न हुई वित्त समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है।

विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित वित्त समिति की बैठक में शैक्षिक पद के लिए अभ्यर्थियों जिनका पद दिव्यांग वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया गया था, उनके आवेदन शुल्क 2,60,400 रुपये के वापसी को हरी झंडी दी गयी। वहीं फिक्स वेतनमान पर काम करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन 8125 से बढ़ा कर 11650 रुपए तथा क्लास 3 के कर्मचारियों का वेतन 10011 से बढ़ा कर 17500 रुपए करने का निर्णय लिया गया। वहीं सेल्फ फाइनेंस कोर्स में हेड,डायरेक्टर,प्रोफेसर इंचार्ज के मासिक मानदेय 2000,40000,5000 किया गया जहाँ 200 या इससे काम विद्यार्थी होंगे। जबकि कोर्स कोऑर्डिनेटर का मासिक मानदेय 1500 किया गया। गेस्ट फैकल्टी के तहत अंडर ग्रेजुएट की क्लास लेने वाले सब्जेक्ट एक्सपर्ट को 600 रुपये प्रति लेक्चर मानदेय निर्धारित किया गया। इसके अलावा संगोष्ठी आदि में किसी रिसोर्स पर्सन के लिए ज्यादा से ज्यादा 2500 रुपये का मानदेय निर्धारित किया गया। सर्टिफिकेट कोर्स में सब्जेक्ट एक्सपर्ट को 400 रुपये प्रति लेक्चर मानदेय निर्धारित किया गया। बैठक में पीएचडी थीसिस के मूल्याङ्कन के लिए 1000 रुपये तथा मौखिकी के लिए 900 रुपये, डी लिट्र के मूल्याङ्कन के लिए 1400 रुपये तथा मौखिकी के लिए 1000 रुपये, स्नातक और स्नातकोत्तर के दिसर्टेशन के लिए 80 रुपये प्रति दिसर्टेशन निर्धारित किये गए। करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन शिक्षकों की प्रोन्नति हुई है उनसे एक माह के भीतर विकल्प पत्र मांगने का भी प्रस्ताव मान लिया गया। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में ओपीडी के संचालन में प्रति व्यक्ति तीन सौ रुपये .जीएसटी मान लिया गया और यह राशि फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा खोले गए बैंक अकाउंट में जाएगी लेकिन प्रति माह बैंक अकाउंट के पासबुक की डिटेल लेखा कार्यालय भेजी जाएगी।

परीक्षा संबंधी मानदेय पर लगी मुहर: बैठक में पीएचडी कोर्स वर्क में पेपर सेटिंग के लिए मानदेय स्नातकोत्तर के समकक्ष रखा गया। इसमें द्विभाषीय बहुविकल्पीय के लिए 50 रुपये प्रति प्रश्न तय किया गया। इसी तरह एकलभाष्य बहुविकल्पीय के लिए 40 रुपये प्रति प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्नो के कुंजी के लिए 200 रुपये निर्धारित किये गए। मॉडरेटर के लिए प्रति सेमेस्टर 1500 रुपये प्रति सदस्य निर्धारित किये गए। सदस्यों की संख्या अधिकतम 3 हो सकती है।

शिक्षकों की प्रोन्नित का रास्ता साफ : करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन शिक्षकों की प्रोन्नति हुई है उनसे एक माह के भीतर विकल्प पत्र मांगने का भी प्रस्ताव मान लिया गया। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में ओपीडी के संचालन में प्रति व्यक्ति तीन सौ रुपये व जीएसटी को मान लिया गया तथा यह राशि फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा खोले गए बैंक अकाउंट में जाएगी। पर प्रति माह बैंक अकाउंट के पासबुक की डिटेल लेखा कार्यालय भेजी जाएगी।

परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से स्नातक की वार्षिक परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए प्रवक्ता डॉ॰ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीए प्रथमए द्वितीय व तृतीय की परीक्षाएं छह अप्रैल से शुरू होगी। इसी प्रकार बीकॉम की सात अप्रैल व बीएससी होम साइंस की सात अप्रैल से परीक्षा होगी। सभी परीक्षाओं का कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर डाल दिया गया है। साथ ही परीक्षा फार्म भरने की तिथि 25 मार्च कर दी गई है।

कला महाविद्यालय में कला रंग महोत्सव का आगाज, प्रसिद्ध चित्रकारों ने साझा किए अनुभव

'सारा लोहा उन लोगों का, मेरी केवल धार'

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। देश के विख्यात कलाकारों की उपस्थिति में लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में सोमवार से कला रंग की शुरुआत हुई। इस अवसर पर चित्रकार श्याम शर्मा पटना ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय मेरी कला यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है। उन्होंने कवि अरुण कमल की पंक्ति 'सारा लोहा उन लोगों का, मेरी केवल धार' को याद करते हुए तकनीक, रंग, कैनवास और दूसरी चीजें कला में लोहा की तरह है। कलाकार की तो केवल धार होती है। उन्होंने कहा कि कलाकार कलाकृति इसलिए बनाता है कि वह उसे अच्छा लगता है। तुलसी ने भी स्वान्तः सुखाय की बात कही है।

चित्रकार प्रभाकर कोलते मुंबई ने कहा कि मैं 30 साल पहले महाविद्यालय आया था और मैंने बहुत बड़ी वॉश पेंटिंग देखी। घर पर जाकर मैंने जलरंगों के कम से कम 50 पेंटिंग की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से कहा कि एक अच्छा विद्यालय आपको मिला है और इसे और अच्छा बनाने की जिम्मेदारी आपकी है।

जयपुर कला समिट के संस्थापक शैलेंद्र भट्ट ने कहा कि लखनऊ में पूर्व में भी कला उत्सव का यह वार्षिक आयोजन हो चुका है। जयपुर के चित्रकार अमित कल्ला ने कहा कि आप कला देखने के बाद वह नहीं रहते जो आप पहले थे। नूपुर कुंडू ने कहा कि इस उत्सव में विद्यार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने किया। उत्सव में कला एवं शिल्प महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ही ललित कला अकादमी, समेत विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने स्टॉल लगाए हैं। संचालन लखनऊ कला रंग के संस्थापक निदेशक आलोक पराड़कर ने किया।

कला रंग की सेमिनार में प्रसिद्ध चित्रकारों ने साझा किए कला के विविध रंग।

एलयू कर्मचारियों और गेस्ट फैकल्टी का मानदेय बढ़ा

कार्य समिति की बैठक में लिया गया फैसला

खबरें कर्मचारियों की

एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी में फिक्स्ड पे वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन 8125 से बढ़ाकर 11,650 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। तृतीय श्रेणी कर्मचारियों का वेतन 10,011 से बढ़कर 17,500 होगा। परास्नातक कक्षा में विषय एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी और विजिटिंग प्रोफेसर को 800 रुपये प्रति लेक्चर मिलेगा। लखनऊ यूनिवर्सिटी में सोमवार को कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में ऐसे कई फैसले हुए।

ये फैसले हुए
- शैक्षिक पदों में दिव्यांग पद के लिए जिन अभ्यर्थियों ने फीस जमा की थी, उसमें एप्लीकेशन फीस वापस की जाएगी।
- सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम में विभागाध्यक्ष, निदेशक और प्रफेसर इंचार्ज के मासिक मानदेय क्रमशः 2000, 4000 व 5000 होंगे। जहां 200 या इससे काम विद्यार्थी हैं वहां पाठ्यक्रम कोऑर्डिनेटर का मासिक मानदेय 1500 होगा।
- स्नातक, डिप्लोमा में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रफेसर को 600 रुपये प्रति लेक्चर दिया जाएगा।
- संगोष्ठी में किसी रिसोर्स पर्सन के लिए ज्यादा से ज्यादा 2500 रुपये का मानदेय।
- सर्टिफिकेट कोर्स में विषय विशेषज्ञ, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रफेसर को 400 रुपये प्रति लेक्चर।
- पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए 1000 रुपये, मौखिकी के लिए 900 रुपये डी.लिट्ट के मूल्यांकन के लिए 1400 रुपये और मौखिकी के लिए 1000 रुपये मिलेंगे।
- प्रायोगिक परीक्षाओं में निरीक्षकों के लिए 120 रुपये प्रति पाली भुगतान होगा।
- अधीक्षक,उप अधीक्षक जो परीक्षा संचालन, मूल्यांकन और परिणाम के लिए क्रमशः 8100 और 6600 रुपये प्रति सेमेस्टर।
- करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत जिन शिक्षकों की प्रोन्नति हुई है, उनसे एक महीने के भीतर विकल्प पत्र मांगने का भी प्रस्ताव माना गया।
- फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में ओपीडी के संचालन में प्रति व्यक्ति 300 रुपये +जीएसटी भुगतान होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

एंट्रेंस एग्जाम से पीजी डिप्लोमा में एडमिशन

पीजी डिप्लोमा, एडवांस, सर्टिफिकेट और प्रोफिसिएंसी में कर सकेंगे आवेदन

LUCKNOW (22 March): लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक डिप्लोमा कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया में बदलाव किया है. अब डिप्लोमा कोर्सों में भी प्रवेश परीक्षा से दाखिले होंगे. अभी तक स्नातक के अंकों के आधार पर मेरिट तैयार कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाती थी. विवि के निर्णय के बाद अब एडमिशन सेल इसके लिए आवेदन फार्म जारी करने की तैयारी में है.

चल रहे 30 डिप्लोमा कोर्स

लविवि में परास्नातक स्तर पर करीब 30 डिप्लोमा कोर्स संचालित हैं. शिक्षकों के मुताबिक शैक्षिक सत्र 2020 तक इनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश लिए जाते थे. पीजी डिप्लोमा के लिए स्नातक के अंकों और प्रोफिसिएंसी के लिए इंटर उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होते हैं. इस बार प्रक्रिया में बदलाव किया गया है. अब यूजी और पीजी कोर्सों के साथ-साथ प्रवेश परीक्षा से ही डिप्लोमा कोर्सों में भी दाखिले लिए जाएंगे. विश्वविद्यालय के डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि यूजी, पीजी और पीएचडी में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब पीजी डिप्लोमा कोर्सों के लिए तैयारी की जाएगी। इसमें पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और प्रोफिसिएंसी के लिए आवेदन फार्म जारी होंगे।

270 करोड़ के बजट पर मुहर

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक

LUCKNOW (22 March): लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 270 करोड़ के बजट पर मुहर लगा दी गई. पिछले साल की अपेक्षा इसमें 20 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है. वहीं, चार नए जिले जुड़ने के बाद अब विश्वविद्यालय की अनुमानित आय भी 120 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 180 करोड़ रुपये तक हो जाएगी. तय आय वाले चतुर्थश्रेणी और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने से लेकर सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के हेड, डायरेक्टर, प्रोफेसर ईचार्ज आदि का मानदेय भी तय कर दिया गया है.

इस तरह होगा मानदेय

अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को अब 8,125 रुपये प्रति माह की जगह अब 11,650 रुपये और तृतीय श्रेणी कर्मचारी को 10,011 रुपये प्रति माह की जगह अब 17,500 रुपये दिए जाएंगे. वहीं करियर एडवांसमेंट स्कीम में प्रमोशन वालों से विकल्प मांगे गए हैं.

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी
- जिन सेल्फ फाइनेंस कोर्स में 200 या इससे कम विद्यार्थी होंगे, वहां हेड, डायरेक्टर और प्रोफेसर इंचार्ज के मासिक मानदेय क्रमशः 2000, 40,000 और 5000 किया गया.
- कोर्स कोऑर्डिनेटर का मासिक मानदेय : 1500 रुपये
- पीजी कक्षाओं में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 800 रुपये
- यूजी, डिप्लोमा में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 600 रुपये
- संगोष्ठी आदि में किसी रिसोर्स पर्सन के लिए ज्यादा से ज्यादा मानदेय : 2500 रुपये
- सर्टिफिकेट कोर्स में सब्जेक्ट एक्सपर्ट, गेस्ट फैकल्टी, विजिटिंग प्रोफेसर को प्रति लेक्चर मानदेय : 400 रुपये
- पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए 1,000 रुपये, मौखिकी के लिए 900 रुपये
- डीलिट के लिए मूल्यांकन के लिए 1,400 रुपये, मौखिकी के लिए 1,000 रुपये

पेपर सेटिंग के लिए मानदेय तय
- पीएचडी कोर्स वर्क में पेपर सेटिंग के लिए मानदेय स्नातकोत्तर के समकक्ष रखा गया
- द्विभाषीय बहुविकल्पीय के लिए 50 रुपये प्रति प्रश्न
- एकलभाषय बहुविकल्पीय के लिए 40 रुपये प्रति प्रश्न
- बहुविकल्पीय प्रश्नो की कुंजी के लिए 200 रुपये
- मास्टेटर के लिए प्रति सेमेस्टर 1,500 रुपये प्रति सदस्य
- प्रायोगिक परीक्षाओं में निरीक्षकों के लिए मानदेय : 120 रुपये प्रति पाली
- वाह्य परीक्षक के लिए पीजी में 25 रुपये, यूजी में 16 रुपये निर्धारित

पीजी प्रवेश परीक्षा : 90 मिनट में देने होंगे 100 प्रश्नों के उत्तर

लविवि ने जारी किया प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र का पैटर्न, एमवीए में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा तीन भाग में होगी, वेबसाइट पर विस्तार से दी जानकारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। दाखिले प्रवेश परीक्षा से होंगे। अभी इसकी तिथियां तय नहीं हैं, लेकिन परीक्षा के प्रश्नपत्र का प्रारूप तय हो गया है। परीक्षाओं में सौ आब्जेक्टिव टाइप प्रश्नों के उत्तर